

CEREBO: इंडिजेनस ब्रेन डायग्नोस्टिक टूल

स्रोत: द हिंदू

भारत ने **CEREBO** नामक एक **इंडिजेनस, हैंड-हेल्ड डायग्नोस्टिक टूल** विकसित किया है, जो **ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी (TBI)** का पता लगाने के लिये बनाया गया है। इसका उद्देश्य प्रारंभिक पहचान और मरीजों के परिणामों में सुधार करना है, विशेषकर ग्रामीण तथा आपातकालीन परिस्थितियों में।

■ CEREBO की प्रमुख विशेषताएँ:

- **प्रौद्योगिकी:** [भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद \(ICMR\)](#) द्वारा विकसित, यह उन्नत **नयिर-इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी** और **मशीन लर्निंग** का उपयोग करके **इंट्राक्रैनियल ब्लीडिंग** तथा **एडमा** का पता लगाता है।
- **गति:** एक मिनट के भीतर परिणाम उपलब्ध कराता है, जिससे आपात स्थिति में तेज़ी से निर्दान संभव होता है।
- **सुरक्षा:** यह **गैर-आक्रामक और विकिरण-मुक्त** है, जिससे **शिशुओं, गर्भवती महिलाओं और बार-बार उपयोग** के लिये सुरक्षित है।
- **उपयोगकर्ता-अनुकूल:** स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा आसान परिणामों के लिये **कलर-कोडेड आउटपुट** प्रदान करता है।
 - यह पोर्टेबल है और इसे **एम्बुलेंस, ट्रॉमा सेंटर, ग्रामीण क्लीनिक** तथा **आपदा प्रतिक्रिया इकाइयों** के लिये डिज़ाइन किया गया है, जहाँ CT (कंप्यूटेड टोमोग्राफी) या MRI (मैग्नेटिक रेज़ोनेंस इमेजिंग) स्कैन की उपलब्धता सीमित होती है।
- **लागत-प्रभावशीलता:** सीमित संसाधनों वाले क्षेत्रों में **CT स्कैन** का एक कफ़ायती विकल्प उपलब्ध कराता है।
 - CEREBO, गहन ऊतक मूल्यांकन (Deep Tissue Assessment) के लिये CT स्कैन का स्थानापन्न नहीं है, बल्कि उसे पूरक करता है।
- **ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी (TBI):** यह मस्तिष्क को बाह्य बल से होने वाली क्षति है। **माइल्ड TBI** सोचने, चलने या व्यवहार पर अस्थायी प्रभाव डाल सकती है, जबकि **सीवियर TBI** स्थायी दवायांगता या मृत्यु का कारण बन सकती है।

और पढ़ें: [ब्रेनवेयर](#)